

**अनुक्रमणिका**

# अनुक्रमणिका

|   | पृष्ठ क्रमांक |
|---|---------------|
| १. प्रकरण पहिले - समकालीन कथालेखनाचे स्वरूप.                        | १ ते ३२       |
| २. प्रकरण दुसरे - रवींद्र शोभणेच्या कथासंग्रहातील आशयसूत्रे.        | ३३ ते ५९      |
| ३. प्रकरण तिसरे - रवींद्र शोभणेच्या कथेमधील पात्रांचे परस्पर संबंध. | ६० ते ९०      |
| ४. प्रकरण चौथे - रवींद्र शोभणेच्या कथेमधील भाषा आणि निवेदन.         | ९१ ते ११६     |
| उपसंहार   | ११७ ते १२८    |
| संदर्भ सूची   | १२९ ते १३०    |